1526 ईस्वीं में पानीपत के युद्ध के बाद मुगल वंश की स्थापना हुई। और बाबर के बाद, प्रत्येक शासक ने वास्तुकला के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुगल शासक कला और वास्तुकला के सच्चे समर्थक थे। उन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप में भारत-इस्लामिक वास्तुकला का विकास किया। उन्होंने लोधी जैसे पूर्व के वंशों की शैली का विकास किया और यह इस्लामी, फारसी, तुर्की और भारतीय वास्तुकला का संयोजन थी। इस शासनकाल के दौरान, वास्तुकला अपने सर्वोच्च शिखर पर थी, कई नई इमारतों और मकबरों का निर्माण महान कलात्मक दूरदर्शिता और प्रेरणा के साथ किया गया था।

मुगलकालीन स्थापत्य कला

बाबर

- बाबर ने 1526 ईस्वीं में पानीपत और रोहिलखंड में एक मस्जिद का निर्माण करवाया।
- उसका शासनकाल किसी भी नई शैली और रूप-रेखा के लिए बहुत छोटा था लेकिन वह रूपात्मक उद्यानों के शौकीन थे।

हुमायूं

- हुमायूं बाबर का उत्तराधिकारी बना लेकिन उसका शासनकाल शेरशाह सूरी के साथ निरंतर संघर्ष और युद्ध से भरा हुआ था।
- उसने **दीनपनाह** नाम के एक शहर की स्थापना की, लेकिन वह इसे पूरा नहीं कर सका।
- पहली मुगल स्थापत्य कला दिल्ली में **हुमायूं का मकबरा** थी, जिसे उनकी विधवा हमीदा बानो बेगम ने बनवाया था। इसे आगरा में ताजमहल के पूर्ववर्ती के रूप में भी जाना जाता है और यह लाहौर के शाहदरा स्थित जहांगीर के मकबरे की प्रतिकृति को दर्शाता है।
- इस काल के दौरान फारसी शैली प्रसिद्ध थी।
- सिकंदर लोधी का मकबरा भारत में निर्मित पहला उद्यान-मकबरा था, लेकिन हुमायूं के मकबरा ने कला को अलौकिक सौंदर्य प्रदान किया।
- रूपांकन की कुछ विशेषताएं इस प्रकार थीं:
    - मकबरा एक वर्गाकार उद्यान के केंद्र में एक बड़े चबूतरे पर बना है।

  - उद्यान चारबाग (पक्की सड़क) द्वारा 4 भागों में विभाजित किया गया है, जिसके केंद्र में सतही रूप में जल-मार्ग है।
  - पहली बार, सफेद के साथ लाल बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया था (सफेद का उपयोग बुद्धिमानी से दरवाजे और खिड़कियों के चारों ओर इमारत को प्रभावी बनाने के लिए किया गया)।
  - इसी तरह वर्गाकार लाल बलुआ पत्थर; एक ऊंची वर्गाकार छत तक मकबरे की दो-मंजिला संरचना; मण्डपनुमा श्रृंखलाएं; आदि शुरू किए गए।
- **नोट:** मकबरा भारतीय परंपराओं और फारसी स्थापत्य कला का मिश्रण है, मेहराबदार गुफाओं में, गलियारों और ऊंचे दोहरे गुंबद के साथ-साथ कियोस्क (छतरी) जो दूर से एक पिरामिड आकार प्रदान करते थे।

शेरशाह सूरी (सूर वंश)

- इनका शासनकाल लोधी शैली से मुगल शैली की वास्तुकला का परिवर्तन है।
- इसने दिल्ली में **किला-ए-कुहना** (पुराने किले की मस्जिद) का निर्माण करवाया।
- इसने पाकिस्तान में प्रसिद्ध **रोहतास का किला** बनवाया।
- पटना में अफगान शैली में **शेरशाह सूरी मस्जिद** का निर्माण करवाया।
- इसने एक पुराने मौर्य मार्ग के पुनर्निर्माण और विस्तार का कार्य किया और इसका नाम बदलकर सड़क-ए-आज़म रखा, जिसे बाद में **ग्रैंड ट्रंक रोड** कहा गया। इसने यात्रियों के लिए सराय और पौधों की व्यवस्था की।
- शेरशाह सूरी का मकबरा उसके जन्मस्थान सासाराम, बिहार में बनाया गया था, जो लाल बलुआ पत्थर से बना था और एक झील के अंदर स्थित था। प्रत्येक किनारे मेहराब थे और बीच में एक बड़ा गुंबद था।
- उन्होंने लाल और धूसर बलुआ पत्थर के जालीदार चित्रपट, चित्रित भीतरी छत और रंगीन खपरैलों का उपयोग किया।

अकबर

- इसने 1556 ईस्वीं में दिल्ली के सिंहासन पर कब्जा किया, इसका शासनकाल मुगल कला और वास्तुकला का स्वर्णिम दौर था।

- लाल बलुआ पत्थर का उपयोग प्रमुख विशेषता थी और इसने **ट्यूडर मेहराब** (चार-केंद्रित मेहराब) का उपयोग शुरू किया।
- इसके शासनकाल की कुछ प्रमुख इमारतें इस प्रकार हैं:
- **आगरा का किला-**
    - अकबर के शासनकाल के दौरान पहले निर्माणों में से एक।
    - यमुना नदी के तट पर लाल पत्थर से निर्मित।
    - अंदर की कुछ इमारतें निम्न हैं-
        - मोती मस्जिद, शाहजहां द्वारा निर्मित
        - दीवान-ए-आम (जन सभा कक्ष) शाहजहां द्वारा
        - दीवान-ए-खास (निजी सभा कक्ष) शाहजहां द्वारा
        - जहांगीरी महल
        - शीश महल (तुर्की स्नानागार)

नोट: चारबाग शैली- किले के अंदर के उद्यान इस शैली के अनुसार बनाए गए थे।

- **फतेहपुर सीकरी-**
    - यह अकबर द्वारा बनाया गया नया राजधानी शहर था और भारत-इस्लामी स्थापत्य कला का एक नया युग था।
    - इसे 'इतिहास में सुनहरे पलों' के रूप में वर्णित किया गया है क्योंकि यहां इमारतें हिंदू और फारसी शैली का एक अनूठा संयोजन दर्शाती हैं।
    - यहां के कुछ स्मारक हैं:
        - **बुलंद दरवाजा (1576 ईस्वीं)** – गुजरात पर अकबर की जीत के लिए बनवाया गया। यह 40 मीटर ऊंची लाल बलुआ पत्थर की संरचना और दुनिया का सबसे बड़ा प्रवेश द्वार है।
        - **सलीम चिश्ती का मकबरा (1581 ईस्वीं)** – सफेद संगमरमर में जाली का काम और दीवारों पर कुरान की आयतों का शिलालेख।
        - **पंच महल-** पांच मंजिला संरचना जो फारसी बैजर (विंड-कैचर) से प्रेरित है।
        - जोधाबाई का महल या **मरियम-उज़-ज़मानी का महल**
        - **इबादतखाना-** विभिन्न धर्मों के नेताओं के साथ विचार-विमर्श के लिए बैठक का स्थान।
        - **पच्चीसी न्यायालय-** आंगन कहा जाता है यहां अकबर शतरंज खेलता था।

Mission CDS
A 75-Day Score Booster Course
START FREE TRIAL

  - **हिरन मीनार**- अकबर के पसंदीदा हाथी की याद में बनवाया गया। यात्रियों के लिए प्रकाशस्तंभ के रूप में कार्य किया।
- अकबर ने वृंदावन में **गोविंद देव का मंदिर** बनवाया।

जहांगीर

- इसने चित्रकारी और अन्य कला के रूपों पर अधिक ध्यान दिया।
- उनके कुछ उल्लेखनीय स्मारक थे-
- सिकंदरा में **अकबर का मकबरा**
- लाहौर में स्वयं का मकबरा
- कश्मीर में **शालीमार बाग**
- लाहौर में **मोती मस्जिद**
- नूरजहां के पिता **इतमाद-उद-दौला का मकबरा**, एक उत्कृष्ट उदाहरण है- यह मुगल काल के दौरान पहला कार्य था जो पूरी तरह से सफेद संगमरमर से बना था। इसके अलावा दुनिया का बेहतरीन **पर्चिनकारी काम** किया गया।

शाहजहां

- इसके शासनकाल के दौरान, वास्तुकला अपने सर्वोच्च शिखर पर पहुंच गई और कुछ प्रमुख कार्य निम्नलिखित थे:
- **ताज महल**-
  - वास्तुकला का बेहतरीन उदाहरण और प्यार की निशानी।
  - शाहजहां ने अपनी प्यारी पत्नी अर्ज़ुमनबानो बेगम या मुमताज़ महल की याद में बनवाया था।
  - इसकी विशेषताओं में हस्तलिपि, पर्चिनकारी कार्य (कीमती बहुरंगी पत्थरों के साथ सुंदर जड़ाऊ काम), चारबाग शैली उद्यान, सजावट के लिए परिसर में पानी का उपयोग और दूरदर्शिता तकनीक आदि शामिल हैं।
  - फीतेदार जाली का कार्य और संगमरमर पर बारीक नक्काशी की गई थी।
- दिल्ली में **लाल किला**-
  - उसने अपनी राजधानी आगरा से दिल्ली स्थानांतरित की।

Mission CDS
A 75-Day Score Booster Course
START FREE TRIAL

- उसने **सातवें शहर शाहजहानाबाद** की नींव रखी, जिसका प्रसिद्ध दुर्ग लाल किला था (1639 ईस्वीं में शुरू हुआ)।
- लाल किला दीवारों, दरवाजों के साथ एक अनियमित अष्टभुजाकार आकृति है और लाल बलुआ पत्थर में कुछ अन्य इमारतें निर्मित की गईं, और महलों के लिए संगमरमर का उपयोग किया गया।
- इसमें दीवान-ए-आम और दीवान-ए-खास शामिल थे।

- दिल्ली में **जामा मस्जिद**
- लाहौर में **शालीमार बाग** भी यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में है।
- **मयूर सिंहासन** धातु के काम के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है।

औरंगजेब

- इसके शासनकाल में मुगल वास्तुकला का पतन होने लगा।
- इसने कला और वास्तुकला के काम में कोई विशेष रुचि नहीं ली।
- इसके कुछ कार्य निम्न थे:
  - लाहौर किले में **आलमगिरी द्वार**, लाहौर
  - **बादशाही मस्जिद**, लाहौर- पाकिस्तान में तीसरी सबसे बड़ी और दुनिया में 7वीं सबसे बड़ी है। वास्तुकला का ढांचा दिल्ली की जामा मस्जिद के समान है।

मुहम्मद आज़म शाह

- अंतिम मुगल जिसने स्थापत्य कला निर्माण कार्य किया।
- **बीवी-का-मकबरा**- औरंगाबाद में अपनी मां बेगम राबिया दुरानी (औरंगज़ेब की पत्नी) की याद में ताजमहल की खराब नकल का निर्माण कराया।
- **ज़ीनत महल,** दिल्ली- अपनी पत्नी की याद में।

इस काल के दौरान अन्य दो प्रमुख शैलियां निम्न थीं:

सिख शैली:

- पंजाब में विकसित और मुगल स्थापत्य कला से प्रभावित है।

- निर्माण कार्य के ऊपर कई छतरियों का उपयोग।
- उभारदार किनारों का उपयोग।
- पीतल और तांबे के गिल्ड से घिरा धारीदार गुंबद और मेहराबों से सजा हुआ।
- **स्वर्ण मंदिर** का निर्माण 1585 ईस्वीं में शुरू हुआ और 1604 ईस्वीं में अर्जन देव ने पूरा किया।

राजपूत शैली:

- मुगलों से प्रभावित लेकिन आकार और निर्माण में अनूठा।
- इसमें महलों और किलों का निर्माण शामिल है।
- कुछ अद्वितीय विशेषताएं हैं:
- सभी प्रतिरूपों और आकारों के साथ **बाहर की ओर निकली हुई बालकनी** की अवधारणा।
- किनारे को एक मेहराब के आकार में इस प्रकार बनाया गया था ताकि छाया धनुष के आकार की हो।

gradeup

Mission CDS:

A 75-Day Score Booster Course

- Score 150+ in CDS II with the most comprehensive course
- 125+ Live Classes & 200+ PDFs
- 11 Weekly Tests & 5100+ Practice Questions

Quasif Ansari

Abhishek Ajay Singh

Vinod Shankaran

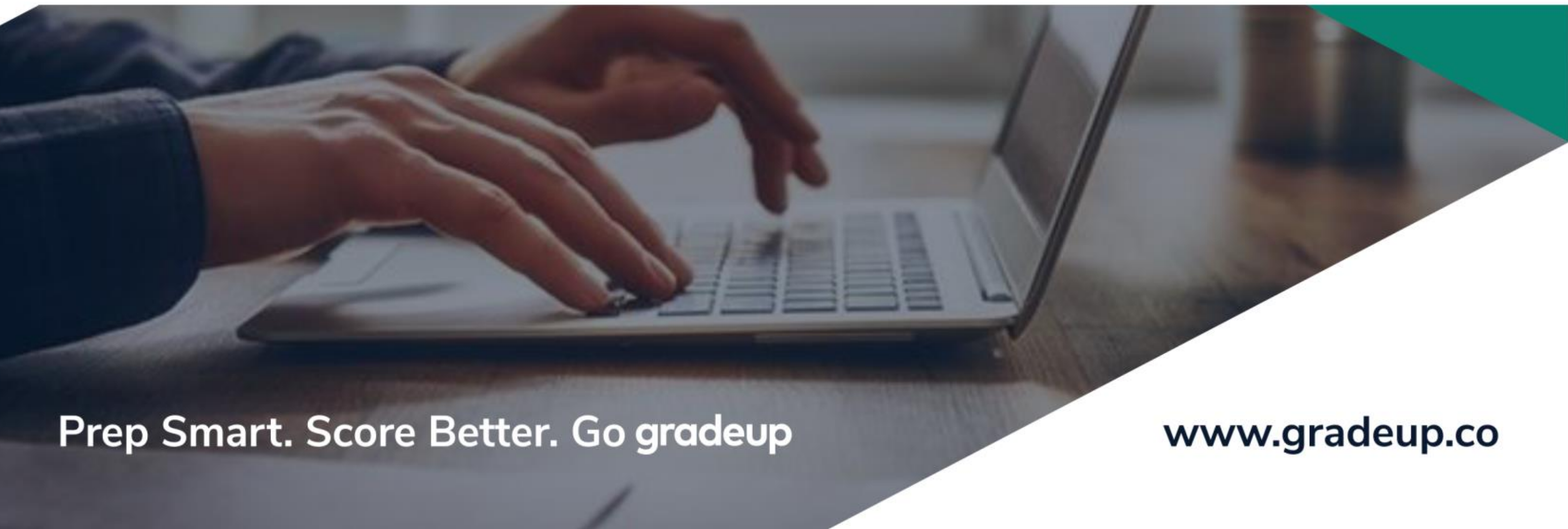

Prep Smart. Score Better. Go gradeup

www.gradeup.co